निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

राजनीतिक स्वतंत्रता और आर्थिक न्याय लोकतंत्र के दो पहलू हैं, दोनों ही अनिवार्य हैं। हमें लोगों की आर्थिक स्थितियों में सुधार के साथ-साथ स्वाधीनता और स्वतंत्रता पर भी बल देना चाहिए। यदि कोई भी समाज राजनीतिक स्वाधीनता, अंतरात्मा की स्वतंत्रता, विभिन्न दलों के बीच विकल्प चुनने की स्वतंत्रता तथा सरकार के शांतिपूर्ण और व्यवस्थित बदलावों के अवसरों की अनुमति नहीं देता है तो वह लोकतांत्रिक होने का दावा नहीं कर सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्थिति के संदर्भ में कई गलतफहमियां हैं। हम गलतफहमियों के आधार पर भी शांति स्थापित कर सकते हैं। एक बार शांति स्थापित होने के बाद गलतफहमियां कम हो जाएंगी।

हम अपने देश में अब सामाजिक और आर्थिक क्रांति लाने के उद्यम में लगे हुए हैं। हमें 'क्रांति' शब्द से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। इसका अ नाकाबंदी और खून-खराबा नहीं है। इसके अर्थ केवल शीघ्र और बड़े बदलाव करना है। हमें केवल अपने उद्देश्यों का ही नहीं, बल्कि उन्हें प्राप्त करने क विधियों का भी ध्यान रखना है, केवल साध्य का ही नहीं, बल्कि साधन का भी ध्यान रखना हैं। हमने शांतिपूर्ण, संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की और अपने देश को एकता के सूत्र में बांधा, और अब हम अपने लोगों के भौतिक स्तर को ऊँचा उठाने के लिए प्रयासरत हैं। यहाँ तक कि यदि हमें बल के स्थान पर अनुनय का और सत्ता की राजनीति के स्थान पर बंधुत्व की राजनीति का उपयोग करने के अपने प्रयास में पराजय मिलती है, तो भी हमें पक्का विश्वास है कि यह पराजय केवल अस्थायी होगी, क्योंकि अच्छाई चीजों की प्रकृति में निहित है, दयालुता और प्रेमभाव उतने ही संक्रामक है जितनी कि निर्दयता और घृणा।

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I: अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए आपसी समझ पूर्वापेक्षा है।

कथन II: भारत ने शांतिपूर्ण क्रांति के माध्यम से अपनी स्वतंत्रता और एकीकरण को प्राप्त किया।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

51 900301

Nozick advocates the theory of justice as:

1. Fairness
2. Right
3. Entitlement
4. Liberty

नोज़िक न्याय के सिद्धांत का पक्ष इस रूप में रखते हैं:

1. निष्पक्षता
2. अधिकार
3. पात्रता
4. स्वतंत्रता

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

52 900302

The fundamental discovery of Merlean-Ponty is:

1. The body-mind
2. The body-subject
3. Theory of intentionality
4. Theory of Perception

मार्ले पोन्टी की मूल खोज है:

1. शरीर-मन
2. शरीर-ज्ञाता
3. सकर्मकत्व का सिद्धांत
4. प्रत्यक्षज्ञान का सिद्धांत

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

53 900303

According to Jean-Paal Sartre:

1. Consciousness and ego are same
2. Consciousness lacts an ego
3. Consciousness has an ego
4. Consciousness and ego same and lacks an ego

ज्यां पॉल सार्त्र के अनुसार:

1. चेतना और अहं समान हैं
2. चेतना में अहं का अभाव होता है
3. चेतना में अहं होता है
4. चेतना और अहं समान हैं और अहं का अभाव होता है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

54 900304 " Natural right is the right of the stronger, the laws are made by the few the strong and the previleged to protect their own intensity" who holds this view?

1. Plato
2. Socrates
3. Sophists
4. Aristotle

"नैसर्गिक अधिकार बलवान का अधिकार है, अपने स्वयं के हितों की रक्षा के लिए शक्तिशाली एवं विशेषाधिकार प्राप्त कुछ लोगों द्वारा नियम बनाये गये हैं।"

यह किसका मत है?

1. प्लेटो
2. सुकरात
3. सोफिस्ट
4. अरस्तू

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

55 900305 Which one of the combinations represents K.C. Bhattacharya's Philosophy appropriately?

1. Empirical consciousness, objects consciousness and spiritual consciousness
2. Objective consciousness, transcendental consciousness and empirical consciousness
3. Objective consciousness, spiritual consciousness and transcendental consciousness
4. Objective consciousness, empirical consciousness and transcendental consciousness

के. सी. भट्टाचार्य के दर्शन को उपयुक्त तरीके से कौन सा युग्म प्रस्तुत करता है?

1. आनुभविक चेतना, वस्तुनिष्ठ चेतना और आध्यात्मिक चेतना
2. वास्तुनिष्ठ चेतना, अनुभवातीत चेतना और आनुभाविक चेतना
3. वस्तुनिष्ठ चेतना, आध्यात्मिक चेतना और अनुभवातीत चेतना
4. वस्तुनिष्ठ चेतना, आनुभविक चेतना और अनुभवातीत चेतना

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

56 900306

Which one of following represents the relation between the proposition provided below?

No pens are red
Some pens are not red

1. Sub-altern
2. Sub-Contrary
3. Contrary
4. Contradictory

नीचे दिये गये तर्कवाक्य के मध्य संबंध निम्नलिखित में से किसमें प्रस्तुत होता है?

कोई भी कलम लाल नहीं हैं
कुछ कलम लाल नहीं हैं

1. उपाश्रित
2. उप-विपरीतक
3. विपरीतक
4. व्याघाती

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

57 900307

Which one of the following with reference to Satyāgraha was maintained by Gandhi?

1. Satyāgraha involves disrespecting the law
2. Satyāgraha involves passive resistance with force
3. Satyāgraha involves respect for law and a feeling of love
4. Satyāgraha involves a feeling of love passive resistance with force

सत्याग्रह के संदर्भ में गाँधी द्वारा निम्नलिखित में से किसका समर्थन किया गया था?

1. सत्यग्रह में कानून की उपेक्षा सम्मिलित थी
2. सत्याग्रह में बलपूर्वक निष्क्रिय प्रतिरोध सम्मिलित था
3. सत्याग्रह में कानून के प्रतिआदर एवं प्रेम की भावना सम्मिलित थी
4. सत्याग्रह में प्रेम की भावना एवं बलपूर्वक निष्क्रिय प्रतिरोध सम्मिलित था

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

58 900308 'The process of induction ends up in the production of provisional definitions'. _____ who held this view?

1. Protagoras
2. Socrotes
3. Thracymachus
4. Gorgios

"अस्थाई परिभाषाओं के उत्पादन में आगमन की प्रक्रिया समाप्त हो जाती है।" यह मत किसका है?

1. प्रोटैगोरस
2. सुकरात
3. थ्रेसीमैच्यूस
4. जॉर्जिअस

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

59 900309 Which one of the following is the correct combination of moods in the first figure?

1. Barbara, Cesare, Datisi and Ferio
2. Barbara, Celarent, Datisi and Festino
3. Barbara,, Celarent, Datisi and Ferio
4. Barbara, Camenes, Datisi and Ferio

प्रथम आकृति में विन्यास (मूड्स) कासही संयोज्य निम्नलिखित में से कौन सा है?

1. Barbara, Cesare, Datiri and Ferio
2. Barbara, Celarent, Datiri and Festino
3. Barbara, Celarent, Datiri and Ferio
4. Barbara, Camenes, Datiri and Ferio

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

60 900310 What is incompatible with *St* Thomas Aquinas?

1. Arguments for the immortality of Soul
2. Analysis of the relation between Reason and Faith
3. The Christian the appliance to Aristotalian ideas
4. Identification of Theology and Philosophy

सेंट थॉमस एक्विनॉस के साथ क्या असंगत है?

1. आत्मा की अमरता के लिए तर्क
2. तर्क और आस्था के मध्य संबंध का विश्लेषण
3. अरस्तूवादी प्रत्ययों का ईसाई समापन
4. अध्यात्म विद्या और दर्शनशास्त्र का एकात्मीकरण

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

61 900311 Which one of the following is correct with reference to Descartes?

1. Descartes was a dualist
2. Descartes was a subjective idealist
3. Descartes was an empiricist
4. Descartes was the author of *'Essay concerning human understanding'.*

देकार्त के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

1. देकार्त द्वैतवादी था
2. देकार्त विषयिनिष्ठ आदर्शवादी था
3. देकार्त अनुभववादी था
4. देकार्त 'एस्से कन्सर्निंग ह्यूमन अंडरस्टैंडिंग' का लेखक था

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

62 900312 What is not correctly meant in Kant's philosophy?

1. Thing -in-itself *means* Phenomenon
2. Sensible world *means* Phenomenon
3. Self *means* ideal of Reaton
4. Gods proven *existence means the* basic cosmological Argument

कांट के दर्शन में किसका अर्थ सही नहीं है?

1. स्वतः सद्ववस्तु का अर्थ है परमार्थ
2. ऐन्द्रियिक जगत का अर्थ हे व्यवहार
3. आत्मा का अर्थ है तर्क का आदर्श
4. ईश्वर का अर्थ है सृष्टिमूलक तर्क

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

63 900313 What is *incompatible* to Empedocles?

1. There are only four elemental particles
2. The elemental particles have definite qualities
3. There are countless number of elemental particles
4. The mythological forces of *love* and *hate* unite and separate the four elemental particles

कौन सा एम्पेडोक्लस से असंगत है?

1. मात्र चार तात्विक कण होते हैं
2. उनके निश्चित गुण होते हैं
3. तात्विक कणों की अनगिनत संख्या होती हैं
4. प्रेम और घृणा की मिथकीय शक्तियाँ चार तात्विक कणों को जोड़ती और अलग करती हैं

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

64 900314 What is correct in the view of Anaximander?

1. Being is Reality
2. Water is the fundamental shift of the universe
3. *Apeiron* is the fundamental shift of the universe
4. Fire is the source of the universe

अनेक्ज़ीमेंडर के अनुसार सही क्या है?

1. सत् वास्तविकता है।
2. जल ब्रह्माण्ड का मौलिक उपादान है
3. एपीरॉन ब्रह्माण्ड का मौलिक उपादान है
4. अग्नि ब्रह्माण्ड का स्रोत है

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

65 900315 What is incompatible with Parmenides?

1. Being is original, permanent and imperishable
2. Absolute change is impossible
3. Being cannot come from Non-Being
4. Being is a matter of faith and not of reason

पार्मेनाइडीज़ के साथ क्या असंगत है?

1. सत् मूल, स्थायी और अविनाशी है
2. निरपेक्ष परिवर्तन असंभव है
3. सत् असत् से नहीं आ सकता है
4. सत् आस्था का विषय है, तर्क का नहीं

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

66 900316

According to whom unperceived and unperceivable entities cannot exist?

1. Descartes and Spinoza
2. Descartes and Berkeley
3. Berkeley only
4. Hume only

किसके अनुसार अलक्षित और अलक्ष्य सत्व अस्तित्ववान नहीं हो सकते?

1. देकार्त और स्पिनोजा
2. देकार्त और बर्कले
3. बर्कले मात्र
4. ह्यूम मात्र

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

67 900317

Heraclitus was concerned with which one of the following?

1. The problem of being
2. The problem of change
3. The problem of number
4. The problem of *nous*

हेराक्लिटस निम्नलिखित में से किस एक के साथ संबद्ध था?

1. सत् की समस्या
2. परिवर्तन की समस्या
3. संख्या की समस्या
4. नाउस की समस्या

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

68 900318 'Perfection of God implies the existence of God'. This is the view of whom?

1. Hume
2. *St* Augustine
3. *St* Thomas Aquinos
4. *St* Anselmn

'ईश्वर का अस्तित्व उसकी पूर्णता में अंतर्निहित होता है।' यह किसका मत है?

1. ह्यूम
2. सेंट आगस्टाइन
3. सेंट थॉमस एक्विनॉस
4. सेंट ऐन्सेल्म

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

69 900319 The propounder of the *'doctrine of Divine illumination'* was;

1. *St* Thomas Aquinas
2. *St* Anselmn
3. *St* Augustine
4. Descartes

'दैविय प्रदीप्ति के सिद्धांत' के विचारक थे:

1. सेंट थॉमस एक्विनॉस
2. सेंट एन्सेल्म
3. सेंट ऑगस्टाइन
4. देकार्त

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

70 900320

God in his Pure Form is 'thinking on thinking'. Whose view is this?

1. Kant
2. Plato
3. Aristotle
4. St Augustine

"ईश्वर अपशुद्ध रूप में चिंतन पर चिंतन है"
यह किसका मत है?

1. कांट
2. प्लेटो
3. अरस्तू
4. सेंट आंगस्टाइन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

71 900321

Which of the following pairs of books are authored by Plato?

1. *The laws* and *The City of God*
2. *Crito* and *The Laws*
3. *The City of God* and *Summa against the Gentiles*
4. *Crito* and *Summa against the Gentiles*

निम्नलिखित में से पुस्तकों के कौन से युग्म प्लेटो द्वारा लिखे गये हैं?

1. द लॉज और द सिटी ऑफ गॉड
2. क्राइटो और द लॉज
3. द सिटी ऑफ गॉड और सुम्मा अगेन्स्ट द जेन्टाइल्स
4. क्राइटो और सुम्मा अगेन्स्ट द जेन्टाइल्स

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

72 900322

Identify the figure of categorical syllogism in which middle term occupies subject position in the major premise and predicate position i the minor premise.

1. Figure I
2. Figure II
3. Figure III
4. Figure IV

निरपेक्ष न्यायवाक्य के आकृति को चिन्हित कीजिए जिसमें मध्य पद मुख्य आधार वाक्य में उद्देश्य का तथा गौण आधार वाक्य में विधेय का स्थान ग्रहण कर लेता है।

1. आकृति I
2. आकृति II
3. आकृति III
4. आकृति IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

73 900323

Which one of the following conversions is not correct?

1. Some women are writers - Some writers are women.
2. No men are angels - No angels are men.
3. All dogs are animals - Some animals are dogs.
4. Some students are not honest - Some honest persons are not students.

निम्नलिखित में से कौन सा रूपान्तरण सही नहीं है?

1. कुछ महिला लेखक हैं - कुछ लेख महिला हैं
2. कोई भी पुरुष देवदूत नहीं हैं - कोई भी देवदूत पुरुष नहीं हैं
3. सभी कुत्ते पशु हैं - कुछ पशु कुत्ते हैं
4. कुछ छात्र ईमानदार नहीं हैं - कुछा ईमानदार व्यक्ति छात्र नहीं हैं

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

74	900324	In Nyaya epistemology which type of *jnana* is beyond the senses? 1. *Śābda* 2. *Anumiti* 3. Nirvikalpaka 4. *Pratyabhijñā* न्याय ज्ञानमीमांसा में किस प्रकार का ज्ञान इंद्रियों से परे है? 1. शाब्द 2. अनुमिति 3. निर्विकल्पक प्रत्यक्ष 4. प्रत्यभिज्ञा A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

75	900325	Which schools of the following approve *Svatopramanya* of cognition. 1. Nyāya only 2. Sāmkhya only 3. Sāmkhya and mināmisā only ` 4. Mīmāmsā only निम्नलिखित में से कौन सा मत ज्ञान के स्वतप्रामाण्य की पुष्टि करता है? 1. न्याय मात्र 2. सांख्य मात्र 3. सांख्य और मीमांसा मात्र 4. मीमांसा मात्र A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

76	900326	

Which one of the following is the correct obversion of the the proposition "Some metals are conductors?"

1. No metals are conductors.
2. No metals are non-conductors.
3. Some metals are non-conductors.
4. Some metals are not non-conductors.

निम्नलिखित में से कौन सा इस तर्क वाक्य "कुछ धातुएँ संवाहक होती हैं" का सही प्रतिवर्तन है?

1. कोई भी धातु संवाहक नहीं होती है
2. कोई भी धातु गैर-संवाहक नहीं होती है
3. कुछ धातुएँ गैर-संवाहक होती हैं
4. कुछ धातुएँ गैर-संवाहक नहीं होती हैं

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

77 900327

It A and B are true statements and X and Y are false statements. determine which one of the following is true.

1. $[(A \vee X) \supset Y] \supset [(A \supset X).(A \supset Y)]$
2. $B \supset (B.\sim B)$
3. $[(A.X) \supset B] \supset (A \supset X)$
4. $(A.X) \vee (\sim A.\sim X)$

यदि A और B सत्य कथन हैं और X तथा Y असत्य कथन हैं, सुनिश्चित कीजिए कि निम्नलिखित में से कौनम सा सत्य है।

1. $[(A \vee X) \supset Y] \supset [(A \supset X).(A \supset Y)]$
2. $B \supset (B.\sim B)$
3. $[(A.X) \supset B] \supset (A \supset X)$
4. $(A.X) \vee (\sim A.\sim X)$

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

78 900328

By which *sannikarṣa* do we visually perceive the coolness of ice according to their naiyāyikas

1. *Yogaja*
2. *Jnanalaksana*
3. *Sāmānyalakṣaṇa*
4. *Samyoga*

नैयायिकों के अनुसार बर्फ की शीतलता का चाक्षुप प्रत्यक्ष हम किस सन्निकर्ष द्वारा करते हैं?

1. योगज
2. ज्ञान लक्षण
3. सामान्य लक्षण
4. संयोग

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

79 900329

Which system of philosophy advocates the motion of *Śabda nityatva*?

1. Vaiśeṣika
2. Sāṁkhya
3. Pūrva-mīmāṁsa
4. Yoga

दर्शनशास्त्र की कौन सी पद्धति शब्द नित्यत्व की धारणा का समर्थन करती है?

1. वैशिषिक
2. साँख्य
3. पूर्व मीमांसा
4. योग

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

80 900330

Which one among the following is not an immediate knowledge (*aparoksa jñāna*) according to the Jainas?

1. *Pratyaksha*
2. *Avadhi*
3. *Manahparyāya*
4. *Kevala*

जैनियों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा प्रत्यक्ष ज्ञान (अपरोक्ष ज्ञान) नहीं है?

1. प्रत्यक्ष
2. अवधि
3. मनःपर्याय
4. केवल

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

81 900331

Which one of the following is true?

1. It 'p' and 'q' are true then p⊃ q is the false
2. If 'p' and 'q' are false then ~(p.~q) is true
3. If 'p' is true and 'q' is false then p.~q is false
4. If 'p' is false and 'q' is true then p⊃q is false

निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है?

1. यदि 'p' और 'q' सत्य हैं तो (IMAGE) असत्य है
2. यदि 'p' और 'q' असत्य हैं तो ~(p~q) सत्य है
3. यदि 'p' सत्य और 'q' असत्य हैं तो p~q असत्य है
4. यदि 'p' असत्य और 'q' सत्य हैं तो (IMAGE) असत्य है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

82 900332

A statement is considered to be contingent when;

1. It is always true.
2. It is always false.
3. Some times true and sometimes false.
4. It is doubtful.

किसी कथन को आपतिक के रूप में विचार किया किया जाता है जब:

1. यह सदैव सत्य होता है
2. यह सदैव असत्य होता है
3. कभी-कभी सत्य और कभी-कभी असत्य
4. यह सन्देहास्पद होता है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

83 900333

Which of the following regarding *Brahmavada* is acceptable to both Ramanuja and Madhva?

1. *Nirguṇatva* only
2. *Saguṇatva* only
3. *Nirguṇatva* - *Saguṇatva*
4. *Anirvacaniyatva*

ब्रह्मवाद के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा रामानुज और मध्व दोनों को स्वीकार्य है?

1. निर्गुणत्व मात्र
2. सगुणत्व मात्र
3. निर्गुणत्व - सगुणत्व
4. अनिर्वचनीयत्व

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

84 900334

What makes Lock a consistent empiricist?

1. His acceptance of matter as '*something I know not what*'
2. His acceptance of the existence of God
3. His refutotion of the doctrine of innate ideas
4. His view that there can be sensation without an object

लॉक को क्या एक संगत इन्द्रियानुभववादी बनाता है:

1. "भौतिक द्रव्य क्या है जिसे मै नही जानता" का स्विकार्यता।
2. उनकी ईश्वरीय सत्ता की स्वीकार्यता।
3. उनका सहज प्रत्ययों के सिद्धान्त का खंडन।
4. उनका विचार कि वस्तु के बिना संवेदना हो सकती है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

85 900335

To whom, *matter* does not exist?

1. Descartes and Berkeley
2. Descartes
3. Berkely
4. Berkeley and locke

किसके अनुसार भौतिक द्रव्य का अस्तित्व नही होता है?

1. देकार्त और बर्कले
2. देकार्त
3. बर्कले
4. बर्कले और लॉक

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

86 900336

Whose philosophical thought results in Paralogism?

1. Hume
2. Descartes
3. Kant
4. Hegel

किसकी दर्शनशास्त्रीय अवधारणा तर्काभास में परिणामित होती है?

1. ह्यूम
2. देकार्त
3. कांट
4. हेगेल

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

87 900337

According to A.J. Ayer, ethical statements are unverifiable and so without meaning, because:

1. They are used to express attitudes
2. They are used to express attitudes and to state truths
3. They are used to express attitudes and not to state truths
4. They are used to state truths

ए.जे. अय्यर के अनुसार नैतिक कथन अप्रमाणनीय हैं और बिना अर्थ के हैं। क्योंकि -

1. वे मनोवृत्ति को प्रदर्शित करने के लिए होते हैं
2. वे मनोवृत्ति को प्रदर्शित करने और सत्य को कहने के लिए होते हैं
3. वे मनोवृत्ति को प्रदर्शित करने और सत्य को न कहने के लिए होते हैं
4. वे सत्य को कहने के लिए होते हैं।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

88 900338

Russell held that most propositions, including those of mathematics and the sciences, are complex because:

1. They are combinations of simpler propositions.
2. They are combinations of complex propositions.
3. They are combination of compound propositions.
4. They are combinations of singular propositions.

बी. रसेल का मानना है कि गणित और विज्ञान सहित अधिकांश तर्कवाक्यों को जटिल हैं, क्योंकि:

1. वे सरल तर्कवाक्यों के समुच्चय हैं
2. जो जटिल तर्कवाक्यों के समुच्चय हैं
3. वे यौगिक तर्कवाक्यों के समुच्चय हैं
4. वे पृथक (सिंगुलर) तर्कवाक्यों के समुच्चय हैं

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

89 900339

According to Gilbert Ryle, Philosophers misconstrue the logical grammar of terms:

1. By treating them as denoting acts.
2. By treating them as argumentative passages.
3. By treating then as categorical propositions.
4. By treating them as paraphrasing arguments.

गिल्बर्ट रॉयल के अनुसार दर्शनिकों ने तार्किक व्याकरण के पदों का गलत अर्थ लगाया:

1. उन्हें व्यक्तिनिर्देशक कृत्य के रूप में मानते हुए
2. उन्हें युक्तियुक्त अवतरण के रूप में मानते हए
3. उन्हें निरुपाधिक तर्कवाक्य के रूप में मानते हुए
4. उन्हें पदव्याख्या तर्क के रूप में मानते हुए

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

90 900340

Bio-Centrism maintains that;

1. All life forms do not require moral consideration.
2. Some life forms do not require moral consideration.
3. All life forms require moral consideration.
4. Some life forms require moral consideration.

जीवन केन्द्रिकवाद (बायोसोन्ट्रिज्म) समर्थन करता है कि:

1. जीवन के सभी स्वरुपों को नैतिक अनुचिंतन की आवश्यकता नहीं होती है
2. जीवन के कुछ स्वरुपों को नैतिक अनुचिंतन की आवश्यकता नहीं होती है
3. जीवन के सभी स्वरुपों को नैतिक अनुचिंतन की आवश्यकता होती है
4. जीवन के कुछ स्वरुपों को नैतिक अनुचिंतन की आवश्यकता होती है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

91 900341

The wholeness and unity of '*Dasein*' is not determined by:

1. An underlying subject only
2. An underlying object only
3. Both by an underlying subject and object.
4. Neither by an underlying subject nor by an underlying object.

'डज़ाइन' की समग्रता एवं एकता का निर्धारण निम्न के द्वारा नहीं होता है:

1. केवल अंतर्निहित कर्ता द्वारा
2. केवल अंतर्निहित वस्तु द्वारा
3. अंतर्निहित कर्ता और वस्तु दोनों के द्वारा
4. न तो अंतर्निहित कर्तो द्वारा नही अंतर्निहित वस्तु द्वारा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

92 900342

Good as a simple and unanalyzable notion is a case of"

1. Prescriptivism
2. Naturalism
3. Objectivism
4. Emotivism

सरल एवं अविश्लेषणीय धारणा के रूप में शुभ विषय निम्न में से है:

1. नियोगवाद
2. प्रकृतिवाद
3. यथार्थवाद
4. संवेगवाद

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

93 900343

Who among the following contemporary Indian thinkers accredited with the view that the element of intellect in the human kind corresponds to the moral duty related to kāma?

1. Radhakrishanam
2. Ambedkar
3. Gandhi
4. Deendayal Upadhyaya

निम्नलिखित समकालीन भारतीय चिंतकों में से कौनम से इस विचार को मान्यता देते हैं कि मानव बुद्धि की मात्रा काम से संबंधित नैतिक कर्तव्य के समरूप होती हैं।

1. राधाकृष्णन
2. अम्बेडकर
3. गाँधी
4. दीनदयाल उपाध्याय

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

94 900344

Consider the following syllogism and identity the fallacy involved in it.

All men are mortal.
All poets are mortal.
All poets are men.

1. Illicit major
2. Illicit minor
3. Fallay of four terms
4. Undistributed middle

निम्नलिखित न्याय वाक्य पर विचार कीजिए और इसके दोषों का पता लगाइए।

सभी मनुष्य मरणशील हैं।
सभी कवि मरणशील हैं।
सभी कवि मनुष्य हैं।

1. अवैध मुख्यपद
2. अवैध अमुख्यपद
3. चतुष्पदीय दोष
4. अव्याप्त मध्य पद

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

95 900345

Which of the following is rejected by Berkeley?

1. The objects of human knowledge are actually imprinted on the senses
2. Soul is something which perceives ideas
3. There are *abstract* ideas
4. Soul is entirely distinct from ideas

निम्नलिखित में से किसे बर्कले अस्वीकार करते हैं?

1. मानव ज्ञान के विषय इंद्रियों पर वास्तविक रूप में छपे होते हैं।
2. आत्मा प्रत्ययों का अनुभव करती है।
3. अमूर्त प्रत्यय होते हैं।
4. आत्मा प्रत्ययों से पूर्णतया भिन्न है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

		A4 : 4 4

Objective Question

96	900346	"Ideas are not continuous, loose or jointed by chance, but introduce themselves with each other with a certain degree of method and regularity" this is acceptable to whom? 1. Kant 2. Leibnitz 3. Hegel 4. Hume "प्रत्यय सतत, शिथिल अथवा संयोग से नही जुड़े हैं, बल्कि स्वयं को एक दूसरे के साथ पद्धति और नियमितता की निश्चित मात्रा से समाविष्ट करते है" यह किस दार्शनिक द्वारा स्वीकार्य है: 1. कांट 2. लाइबनित्ज 3. हेगल 4. ह्यूम A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

97	900347	Leibnitz's view of the universe is *inconsistent* with which one of the following: 1. The universe is a hormonious whole 2. The universe is governed by mathematicals and logical principles 3. The universe is something deal and inactive 4. Demonstrative method is the true method of Philosophy निम्नलिखित में से कौन-सा एक लाइबनित्ज के ब्रह्मांड विचार के साथ असंगत है: 1. ब्रह्मांड स्वयं मे सामंजस्यपूर्ण व्यवस्था है। 2. ब्रह्मांड गणितीय और तार्किक सिद्धांतों से संचालित होता है। 3. ब्रह्मांड निठ्प्राण और अक्रिय है। 4. निदर्शनात्मक पद्धति दर्शनशास्त्र की सही पद्धति है। A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3

A4 : 4

4

Objective Question

98 900348

'*Space* and *time* are empirically real but transcendently ideal' who holds this view?

1. Leibnitz
2. Kant
3. Locke
4. Hume

देश और काल इंद्रियानुभविक रूप से सत है लेकिन प्रागनुभविक रूप से आदर्श परक होते हैं?

1. लाइबनिज
2. कांट
3. लॉक
4. ह्यूम

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

99 900349

What is not acceptable to Hegel?

1. Reality is a living, developing process
2. The universe is at bottom a chaotic system
3. Whatever is real is rational and whatever is rational is real
4. The Reality is not an un differentiated Absolute

हेंगल के अनुसार क्या स्वीकार्य नहीं है?

1. सत् एक जीवित, विकासशील प्रक्रिया है
2. ब्रह्मांड मूलतः अव्यवस्थित है।
3. जो भी सत् है वह बौद्धिक है और जो भी बौद्धिक है वह सत् है।
4. सत् अविभेदित निरपेक्ष नही है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

100 900350

Which among the following is rejected by Immanuel Kant?

1. Both Rationalists and empiricists are *right* in what they *affirm*
2. Both are wrong in what both deny
3. Knowledge begins in sense experience but does not end with sense experience
4. Knowledge of God is possible

निम्नलिखित में से किसे इमैन्युएल कांट ने अस्वीकार किया है?

1. बुद्धिवादी और अनुभववादी दोनों सही हैं जिसे वे स्वीकार करते हैं।
2. लेकिन वे जिससे असहमत हैं उसमें दोनों ही गलत हैं।
3. ज्ञान इन्द्रियानुभव से आरंभ होता है लेकिन उइससे यह इन्द्रियानुभव उत्पन्न नही होता है।
4. ईश्वर का ज्ञान संभव है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

101 900351

Which of the following is unacceptable to Spinoza?

1. Everything follows necessarily from God.
2. God has personality and Consciousness.
3. Identification of God with the universe is endorsed.
4. The highest good consists in the intellectual love of God.

निम्नलिखित में से कौन सा स्पिनोजा को अस्वीकार्य है?

1. प्रत्येक वस्तु ईश्वर से अनुप्राणित है।
2. ईश्वर मे व्यक्तित्व और चेतना है।
3. ब्रह्मांड के साथ ईश्वर का तादात्म्य
4. ईश्वर के बौद्धिक प्रेम में हमारा सर्वोचेच शुभ सम्मिलित होता है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

102	900352	"a will that wills nothing" who among the following holds above view regarding Kant's good will? 1. J.S. Mill 2. Jacobi 3. Bentham 4. Sidgwick "ऐसी उच्छा जिसे कोई भी इच्छा नहीं होती" कांट की सदिच्छा के अनुसार निम्नलिखित मेंसे कौन उपरोक्त विचार को धारण करते हैं? 1. जे. एस. मिल 2. जेकोबी 3. बेन्थम 4. सिजविक A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4
Objective Question		
103	900353	Consider the following and find out the correct code from given below: When an action conforms to a moral rule or law of conduct, it is said to be---- 1. Wrong 2. Right 3. Good 4. Bad निम्नलिखित पर विचार कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही कूट का पता लगाइए: जब कोई कर्म आचरण के नैतिक नियम अथवा विधि की पुष्टी करता है तो इसे कहा जाता है: 1. गलत 2. सही 3. शुभ 4. अशुभ A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

104 900354

Among the following which one is not an item of Brahma-vihāra:

1. *Maitri*
2. *Karuṇā*
3. *Nidrā*
4. *Muditā*

निम्नलिखित में से कौन-सा ब्रह्म-विहार का एकांश नहीं है?

1. मैत्री
2. करुणा
3. निद्रा
4. मुदिता

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

105 900355

Madhva totally rejects the advocacy of which one of the following?

1. *Sadeha Mukti*
2. *Vîdeha Mukti*
3. *Brahma-jiva-bheda mukti*
4. *Sārūpya mukti*

मध्य निम्नलिखित में से किस एक के समर्थन को पूर्णतया अस्वीकार करते हैं?

1. सदेह मुक्ति
2. विदेह मुक्ति
3. ब्रह्म - जीव - भेद मुक्ति
4. सारुप्य मुक्ति

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

106 900356

Which one among the following is the *samavāyikārana* of the colour of a cloth?

1. Threads
2. Colour of the threads
3. Conjunction of the threads
4. The cloth itself

निम्नलिखित में से कौन-सा एक वस्त्र के रंग का समवायिकरण है?

1. धागे
2. धागे का रंग
3. धागे का संयोजन
4. वस्त्र स्वयं में

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

107 900357

In Nyāya epistemology which one among the following can be the object of *sāmānyalakṣaṇapratyakṣa*?

1. A particular case of smoke
2. Some cases of smoke
3. Somkeness
4. All cases of smoke

न्याय दर्शन की ज्ञानमीमांसा में निम्नलिखित में कौन सामान्यलक्षण प्रत्यक्ष विषय हो सकता है:

1. धूम्र की विशेष अवस्था
2. धूम्र की कुछेक अवस्थाएँ
3. धूमत्व
4. धूम्र की सभी अवस्थाएँ

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

108 900358

According to the Nyāya our tactual sense-organ can perceive all the objects which we perceive by our visual sense-organ except:

1. *Rūpa* only
2. *Rūpatva* only
3. *Rūpa* and *rūpatva* only
4. *Sparśa* only

न्याय दर्शन के अनुसार हम स्पर्श-इन्द्रियों के माध्यम से निम्नलिखित के अतिरिक्त उन सभी वस्तुओं का अवबोध कर सकते है जिसे हम अपने चाक्षुष इन्द्रिय अंग द्वारा अवबोध करते हैं, वह है:

1. रूप मात्र
2. रूपत्व मात्र
3. रूप और रूपत्व मात्र
4. स्पर्शमात्र

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

109 900359

Select the code correctly matched considering the magnitude of *dravyas* admited by the Vaiśeśikas?

1. *Kāla*, *ātmā* and manas
2. *Ākāśa*, *Kāla* and *ātmā*
3. *Paramanu*, *dik* and *kāla*
4. *Ākāśa*, *manas* and *ātmā*

वैशेषिक दर्शन के द्वारा स्वीकार्य द्रव्यों की महत्ता पर विचार करते हुए सही ढ़ंग से सुमेलित कूट का चयन कीजिए।

1. काल, आत्मा और मनस्
2. आकाश, काल और आत्मा
3. परमाणु, दिक् और काल
4. आकाश, मनस् और आत्मा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

110 900360

Test the following *anumāna* after Nyāya and select the code stating the *anumāna* correctly:

Anumāna: Manimayah parvato vahnimān dhumāt

1. Valid *anumāna*
2. *Aśrayāsiddha hetvābhāsa*
3. *Asādhāraṇa savyabhicāra hetvābhāsa*
4. *Bādhitā hetvābhāsa*

न्याय दर्शन के अनुसार निम्नलिखित का परीक्षण कीजिए और सही ढ़ंग से अनुमान के बारे में इंगित करने वाले कूट का चयन कीजिए:

अनुमानः मणिमयःपर्वतो वह्निमान धूमात्

1. वैध अनुमान
2. आश्रयासिद्ध हेत्वाभास
3. असाधारण सव्याभिचार हेत्वाभास
4. बाधित हेत्वाभास

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

111 900361

"There is no such thing as knowledge which cannot be carried into practice, for such knowledge is really no knowledge at all."

Which one of the following fallacies does the above argument involve?

1. Petitio principi
2. Fallacy of equivocation
3. Fallacy of Amphiboly
4. Fallacy of argument from ignorance

"ज्ञान जैसी इस प्रकार की कोई वस्तु नही है जो व्यवहार्य न हो, क्योंकि इस प्रकार ज्ञान जैसा कोई ज्ञान नही होता है"

उपरोक्त युक्ति में निम्नलिखित कौन-सा एक दोष पाया जाता है?

1. आत्माश्रय दोष
2. अनेकार्थक दोष
3. वाक्य छल
4. अज्ञानयुक्त युक्ति दोष

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

112 900362

In mīmāmsā philosophy bliss uninterrupted by sorrow is regarded as:

1. *Apavarga*
2. *Dharma*
3. *Svarga*
4. *Apurva*

मीमांसा दर्शन में आनन्द का दुख से अविरत होना, इस रूप में समझा जाता है:

1. अपवर्ग
2. धर्म
3. स्वर्ग
4. अपूर्व

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

113 900363

Sunyatā according to the *Mādhyamikas* is:

1. *Sat*
2. *Asat*
3. *Sadasat*
4. *Catuṣkotimukta*

माध्यमिक दार्शनिकों के अनुसार शून्यता है:

1. सत्
2. असत्
3. सद्असत
4. चतुष्कोटिमुक्त

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

114 900364

In the view of Śankara which *pramāṇa* is of the final authority?

1. *Pratyakṣa*
2. *Arthāpatti*
3. *Anumāna*
4. *Śabda*

शंकर के विचार में, कौन-सा प्रमाण अन्तिम रूप मे मान्य है?

1. प्रत्यक्ष
2. अर्थापत्ति
3. अनुमान
4. शब्द

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

115 900365

Which one among the following is the *guna* of soul according to the Jainas?

1. *Icchā and caitanya*
2. *Dvesa and sukha*
3. *Caitanya only*
4. *Sukha and dhukha*

जैनमत के अनुसार निम्नलिखित में से कौन साएक आत्मा का गुण है?

1. इच्छा और चैतन्य
2. द्वेष और सुख
3. चैतन्य मात्र
4. सुख और दुख

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

116 900366

Consider the following statements and select the code that states something which *is NOT* consistent with the vedic notion of *ṛta*.

A. Gods follow the regulations of *ṛta*
B. Ṛta follows the orders of gods
C. Heavenly bodies follow the orders of *ṛta*
D. Natural phenomena follow the order of *ṛta*

Choose the correct answer from the options given below:

1. A only
2. A and B only
3. B only
4. B, C and D only

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और उस कूट को चुनिये जो कहता है जो ऋत् की वैदिक धारणा के साथ संगत नहीं है:

A. ईश्वर ऋत् के नियमों का पालन करते हैं
B. ऋत् ईश्वर के आदेशों का पालन करता है
C. खगोलीय पिंड ऋत के आदेशों का पालन करते हैं
D. नैसर्गिक परिघटना ऋत् के आदेशों का पालन करते हैं

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A
2. केवल A, B
3. केवल B
4. केवल B, C, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

117 900367

Consider the following and select the code status the items acceptable only to the *cārvākas*.

A. Earth, water, fire and air
B. *Sukhavāda*
C. *Syātvāda*
D. *Bhutacaitanyavāda*

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. A, B only
3. B and D only
4. A, and D only

निम्नलिखित पर विचार कीजिए और उस कूट को चुनिए जो केवल चार्वाक मत को स्वीकार्य तथ्यों को इंगित करते हैं:

A. पृथ्वी, जल, अग्नि और वायु
B. सुखवाद
C. स्यादवाद
D. भूतचैतन्यवाद

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, C
2. केवल A, B
3. केवल B, D
4. केवल A, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

118 900368

In vedic tradition *yajña* is performed for:

A. The benefit of the *Jagat*
B. The benefit of the *ṛtvika*
C. The benefit of the *yajmāna*
D. The repayment of *devaṛṇa*

Choose the correct answer from the options given below:

1. A only
2. A and B only
3. B and C only
4. C and D only

वैदिक परंपरा में यज्ञ किया जाता है:

A. जगत के लाभ हेतु
B. ऋत्विक के लाभ हेतु
C. यजमान के लाभ हेतु
D. देवऋण के प्रतिदान हेतु

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A
2. केवल A, B
3. केवल B, C
4. केवल C, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

119 900369

In which school of Indian philosophy the notion of *Adṛṣṭa* is taken to prove the existence of God?

A. Sāṁkhya
B. Yoga
C. Nyāya
D. Vaiśeśika

Choose the correct answer from the options given below:

1. A only
2. A and B only
3. B and C only
4. C and D only

भारतीय दर्शन के किस संप्रदाय में ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए अदृष्ट की घटना का सहारा लिया गया है?

A. साँख्य
B. योग
C. न्याय
D. वैशेषिक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A
2. केवल A, B
3. केवल B, C
4. केवल C, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

120 900370

Given below are some conditions of *anumāṇa* in Nyāya epistemology, consider them and select the code which states only those conditions where inference is possible.

A. The absence of will to infer accompanied by the knowledge of the *sāḍhya*
B. The absence of will to infer accompanied by the absence of the knowledge of the *sāḍhya*
C. The presence of will to infer accompanied by the knowledge of the *sāḍhya*
D. The presence of will to infer accompanied by the absence of knowledge of the *sāḍhya*

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, C, D only
2. A, B and C only
3. B and C only
4. B, C and D only

न्याय दर्शन की ज्ञान मीमांसा में अनुमान की कुछ अवस्थाएँ नीचे दी गई हैं। उन पर विचार करें और उस कूट का चयन करें जो केवल उन अवस्थाओं क इंगित करते हैं जिसमें अनुमान निकालना संभव है।

A. साध्य के ज्ञान के साथ अनुमान करने के लिए इच्छा का अभाव
B. साध्य के अभाव के साथ अनुमान करने के लिए इच्छा का अभाव
C. साध्य के ज्ञान के साथ अनुमान करने के लिए इच्छा का भाव
D. साध्य के ज्ञान के अभाव के साथ अनुमान करने के लिए इच्छा का भाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, C, D
2. केवल A, B, C
3. केवल B, C
4. केवल B, C, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

121 900371

Consider the following and select the code stating *Antāṛanga* of *Astāṇga yoga*:

A. *Prānāyāma, Dhyāna*
B. *Dhāraṇā, Dhyāna*
C. *Pratyāhāra, Dhāraṇā*
D. *Samādhi*

Choose the correct answer from the options given below:

1. A only
2. B and C only
3. B and D only
4. D only

निम्नलिखित पर विचार करें और अष्टांग योग के अंतःअंग को इंगित करने वाले कूट का चयन कीजिए:

A. प्राणायाम, ध्यान
B. धारणा, ध्यान
C. प्रत्याहार, धारणा
D. समाधि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A
2. केवल B, C
3. केवल B, D
4. केवल D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

122 900372

Consider the following and mark the correct code:

"Right" and "wrong" apply to-

A. Voluntary Actions
B. Habitual Actions
C. Involuntary Actions
D. Contingent Actions

Choose the correct answer from the options given below:

1. A only
2. B only
3. A and B only
4. C and D only

निम्नलिखित पर विचार कीजिए एवं सही कूट को चिन्हित कीजिए:

"सही" और "गलत" इन पर लागू होता है:-

A. ऐच्छिक कर्मों पर
B. स्वाभाविक कर्मों पर
C. अनैच्छिक कर्मों पर
D. आकस्मिक कर्मों पर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A
2. केवल B
3. केवल A, B
4. केवल C, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

123 900373

Which among the following theories of punishment approve capital punishment?

A. Reformative theory
B. Retributive theory
C. Deterent theory

Choose the correct answer from the options given below:

1. A only
2. B only
3. C only
4. B and C only

दण्ड का निम्नलिखितमें से कौन सा सिद्धान्त मृत्युदंड का अनुमोदन करता है?

A. सुधारात्मक सिद्धांत
B. प्रतिशोधात्मक सिद्धांत
C. निवारक सिद्धांत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A
2. केवल B
3. केवल C
4. केवल B, C

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

124 900374

Which one among the following codes state the cardinal virtues as per Plato:

A. Wisdom
B. Courage
C. Temperance
D. Justice

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and B only
2. B and D only
3. B, C and D only
4. A, B, C and D only

निम्नलिखित में से कौन-सा एक कूट प्लेटो के अनुसार मुख्य सद्‌गुणों को इंगित करता है?

A. प्रज्ञान
B. साहस
C. संयताचार
D. न्याय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B
2. केवल B, D
3. केवल B, C, D
4. सभी A, B, C, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

125 900375

Which of the following statements are true with reference to Vivekananda?

A. Conception of reality is pluralistic
B. Conception of reality is monistic
C. Conception of reality is heterogenous
D. Conception of universal religion is rooted in accepting universal specialties of all religions

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and B only
2. A and C only
3. B and D only
4. C and D only

विवेकानंद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन सही हैं?

A. उनकी यथार्थता की अवधारणा बहुवादी है।
B. उनकी यथार्थता की अवधारणा एकतत्वपरक है।
C. उनकी यथार्थता की अवधारणा विषमजातीय है।
D. उनकी सार्वभौमिक धर्म की अवधारणा सभी धर्मों की विशेषताओं के स्वीकार से उपजी है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B
2. केवल A, C
3. केवल B, D
4. केवल C, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

126 900376

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Sophists	I.	Atomism
B.	Leucippus and Democritus	II.	Knowledge is impossible
C.	Plato	III.	*Actus Purus*
D.	*St* Thomas Aquinas	IV.	The ideal of Republic

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-I, B-III, C-II, D-IV
3. A-II, B-I, C-IV, D-III
4. A-I, B-IV, C-III, D-II

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	सोफिस्ट	I.	अणुवाद
B.	ल्यूसिपस एंड डेमोक्रिट्स	II.	ज्ञान असंभव है
C.	प्लेटो	III.	विशुद्ध कर्म
D.	सेंट थॉमस एक्विनॉस	IV.	गणराज्य का आदर्श

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-I, B-III, C-II, D-IV
3. A-II, B-I, C-IV, D-III
4. A-I, B-IV, C-III, D-II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

127 900377

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	*Dharma*	I.	Aesthetically desirable
B.	*Artha*	II.	Materialy rich
C.	*Kāma*	III.	Ethically sound
D.	*Mokṣa*	IV.	Spiritually free

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-III, B-II, C-I, D-IV
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-III, B-I, C-II, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	धर्म	I.	सौंदर्यमूलक वांक्षनीय
B.	अर्थ	II.	भौतिक दृष्टि से संपन्न
C.	काम	III.	नैतिक रूप से गंभीर
D.	मोक्ष	IV.	आध्यत्मिक रूप से मुक्त

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-II, C-I, D-IV
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-III, B-I, C-II, D-IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

128 900378

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	*Sattva*	I.	Active
B.	Rajas	II.	Inactive
C.	Tamas	III.	Light and bright
D.	Puruṣa	IV.	Heavy and dark

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-I, B-III, C-II, D-IV
4. A-II, B-I, C-III, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	सत्व	I.	सक्रिय
B.	रजस्	II.	निष्क्रिय
C.	तमस्	III.	हल्का एवं चमकीला
D.	पुरुष	IV.	भारी एवं गहरा

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-I, B-III, C-II, D-IV
4. A-II, B-I, C-III, D-IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

129 900379

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Absorption	I.	$p \supset q, \sim q \therefore \sim p$
B.	Simplification	II.	$p, q \therefore p.q$
C.	Conjunction	III.	$p.q \therefore p$
D.	Modus tollens	IV.	$p \supset q \therefore p \supset (p.q)$

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-III, B-II, C-I, D-IV
3. A-IV, B-III, C-II, D-I
4. A-II, B-III, C-I, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	अवशोषण	I.	$p \supset q, \sim q \therefore \sim p$
B.	सरलीकरण	II.	$p, q \therefore p.q$
C.	संयोजन	III.	$p.q \therefore p$
D.	निषेधक हेतु फलानुमान	IV.	$p \supset q \therefore p \supset (p.q)$

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-III, B-II, C-I, D-IV
3. A-IV, B-III, C-II, D-I
4. A-II, B-III, C-I, D-IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

130 900380

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Nietzsche	I.	Onto-centric
B.	Sartre	II.	Subjectivity is truth
C.	Heidegger	III.	Resentment
D.	Kierkegaard	IV.	Transcendence of the Ego

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-III, B-IV, C-I, D-II
2. A-II, B-IV, C-III, D-I
3. A-I, B-III, C-II, D-IV
4. A-IV, B-II, C-III, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	नीत्शे	I.	ऑन्टोसेंट्रिक
B.	सार्त्र	II.	वस्तुनिष्ठती सत्य है
C.	हाइडेगर	III.	रिसेन्टिमेंट
D.	कीर्केगार्ड	IV.	अहं का उत्कर्ष

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-IV, C-I, D-II
2. A-II, B-IV, C-III, D-I
3. A-I, B-III, C-II, D-IV
4. A-IV, B-II, C-III, D-I

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

131 900381

Write the correct sequence with regard to the stages of *Mokṣa* in *Dvaita* vedānta'.

A. *Sāmīpya*
B. *Sālokya*
C. *Sārūpya*
D. *Sāyujya*

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, C, D
2. B, A, C, D
3. D, C, B, A
4. A, C, B, D

द्वैत वेदान्त में मोत्र की अवस्था के संदर्भ में सही अनुक्रम बताइए:

A. सामीप्य
B. सालोक्य
C. सारुप्य
D. सापुज्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A, B, C, D
2. B, A, C, D
3. D, C, B, A
4. A, C, B, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

132 900382

Consider the following and select code for correct sequence:

A. *Prāṇāyāma*
B. *Āsana*
C. *Yama*
D. *Niyam*

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, C, D
2. C, D, B, A
3. D, A, B, C
4. A, D, B, A

निम्नलिखित पर विचार कीजिए और सहीअनुक्रम वाले कूट का चयन कीजिए:-

A. प्राणायाम
B. आसन
C. यम
D. नियम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A, B, C, D
2. C, D, B, A
3. D, A, B, C
4. A, D, B, A

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

133 900383

Consider the following and select the code for correct sequence:

A. *Dhyāna*
B. *Prāṇāyāma*
C. *Dhāraṇā*
D. *Pratyāhāra*

Choose the correct answer from the options given below:

1. D, C, A, B
2. A, B, C, D
3. B, D, C, A
4. B, A, C, D

निम्नलिखित पर विचार कीजिए और सही अनुक्रम वाले कूट का चयन कीजिए:

A. ध्यान
B. प्रणायाम
C. धारणा
D. प्रत्याहार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. D, C, A, B
2. A, B, C, D
3. B, D, C, A
4. B, A, C, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

134 900384

Given below are two statements:

Consider the following with reference to Iqbal on intuition.

Statement I: Intuition is an unanalyzable unity

Statement II: In intuition the knower becomes one with the known and there by realises it

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options Given below:

1. Both Statement I and Statement II are true
2. Both Statement I and Statement II are false
3. Statement I is true but Statement II is false
4. Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

अंतःप्रज्ञा पर इकबाल के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

कथन I: अंतःप्रज्ञा एक अविश्लेषणीय कार्यान्विति है।

कथन II: अंतःप्रज्ञा मेंज्ञाता का ज्ञान के साथ एकाकार हो जाता है और इस प्रकार उसकी अनुभूति करता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

135 900385

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R

Assertion A: In Prabhakara's epistemology *Akhyāti* has no place

Reason R: In Prabhakara's epistemology there is no room for false cognition

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A: प्रभाकर की ज्ञानमीमांसा में अख्याति को कोई स्थान नहीं है।

कारण R: प्रभाकर की ज्ञानमीमांसा में असत्य संज्ञान के लिए कोई स्थान नहीं है।

उपरोक्त कथन के आलोकमें, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

136 900386

Given below are two statements:

Consider the following with reference to Radhakrishnan

Statement I: Philosophy is a synthesis of Advaita Vedanta and Philosophy of Absolute Idealism.

Statement II: Idealism is spiritualistic and teleological.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options Given below:

1. Both Statement I and Statement II are true
2. Both Statement I and Statement II are false
3. Statement I is true but Statement II is false
4. Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

निम्नलिखित पर राधाकृष्णन के संबंध में विचार कीजिए।

कथन I: उनका दर्शन अद्वैत-वेदान्त का संश्लेषण और निरपेक्ष प्रत्ययवाद का दर्शन है।

कथन II: उनका प्रत्ययवाद अध्यात्मवादी और सप्रयोजनवादी है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

137 900387

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R

Assertion A: Red herring is an informal fallacy in which attention is deliberately deflected away from the issue under discussion.

Reason R: The effectiveness of red herring lies in misrepresentation of opponent's position.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A: भ्रामक संकेत एक अनौपचारिक दोष है जिसमें ध्यान को विचार-विमर्श वाले मुद्दे से जान बूझकर विक्षेपित कर दिया जाता है।

कारण R: प्रतिपक्षी की स्थिति के मिथ्या निरूपण में भ्रामक संकेत की प्रभावशीलता विद्यमान होती है।

उपरोक्त कथन के आलोकमें, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

138 900388

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R

Assertion A: According to the Nyāya we cannot perceive two objects at a time

Reason R: Mind according to Nyāya is atomic in magnitude

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options Given below:

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में;

अभिकथन A: न्याय दर्शन के अनुसार हम एक ही समय में दो वस्तुओं का अनुभव नहीं कर सकते।

कारण R: न्याय दर्शन के अनुसार परिमाण में मनस आण्विक होता है।

उपरोक्त कथन के आलोकमें, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

139 900389

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Consider them and select the correct code from the stand point of Buddhism:

Assertion A: Everything cannot be claimed to be momentary

Reason R: There would he none to observe it

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में;

बौद्धमत के दृष्टिकोण के आधार पर सही कूट चयन कीजिए:

अभिकथन A: प्रत्येक वस्तु के क्षणिक होने का दावा नही किया जा सकता।

कारण R: इसके प्रेक्षण के लिएकोई नही होगा।

उपरोक्त कथन के आलोकमें, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है

A1 : 1

			1
		A2 :	2
			2
		A3 :	3
			3
		A4 :	4
			4

Objective Question

140	900390	Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R **Assertion A**: Formation of stereotypes involves the fallacy of defective induction. **Reason R**: Stereotypes are hasty generalizations. In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below: 1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A 2. Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A 3. A is correct but R is not correct 4. A is not correct but R is correct नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में: **अभिकथन A:** रूढ़धारणाओं की रचना में सदोष आगमन का दोष निहित होता है। **कारण R:** रूढ़धारणाएँ अविचारित सामान्यीकरण होती हैं। उपरोक्त कथन के आलोकमें, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए: 1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है 2. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है 3. A सही है लेकिन R सही नहीं है 4. A सही नहीं है लेकिन R सही है

			1
		A1 :	1
			1
		A2 :	2
			2
		A3 :	3
			3
		A4 :	4
			4

Objective Question

141	900391	

"Most champions of democracy have been rather reticent in suggesting that democracy would itself promote development and enhancement of social welfare-they have tended to see them as good but distinctly separate and largely independent goals. The detractor of democracy, on the other hand, seemed to have been willing to express their diagnosis of what they see as serious tensions between democracy and development..... To deal with these issues, we have to pay particular attention to both the contents of what can be called development and to the interpretation of democracy. The assessment of development cannot be divorced from the lives that people can lead and the real freedom that they enjoy. Development can scarcely be seen merely in terms of enhancement of inanimate objects of convenience. Their value must depend on what they do to the lives and freedom of the people involved .... The relation between development and democracy has to be seen partly in term of their constitutive connection. We must not miss the crucial recognition that political liberties and democratic rights are among the 'constitutive components of development'

What is the general intent of this paragraph?

1. Political liberty and democratic rights.
2. Development and democracy.
3. Development, democracy and freedom of people.
4. Democracy and social welfare.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

लोकतंत्र के अधिकांश समर्थक सुझाव देने में चुप्पी साध लेते है कि लोकतंत्र अपने आप ही विकास और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देगा। वे उसे अ के रूप में देखने की ओर प्रवृत्त लेकिन स्पष्ट रूप से अलग और व्यापकता में स्वतंत्र लक्ष्य वाले होते हैं। लोकतंत्र के निंदकों में अपनी दूसरी तरफ लोक और विकास के मध्य गंभीर तनाव के रूप में जो देखते है उसे व्यक्त करने की इच्छा प्रतीत होती है... इन मुद्दों से निपटने के लिए जिसे हम विकास कह सकते हैं और लोकतंत्र की व्याख्या दोनों पर विशेष ध्या देना होगा। लोग जिससे आगे बढ़ सके और जो वास्तविक स्वतंत्रता उन्हे मिल रही है उसेविकास के निर्धारण के लिए छोड़ा नही जा सकता है।

सुविधा की जड़ वस्तुओं की वृद्धि के रूप में सिर्फ न के बराबर विकास देखा जा सकता है। उनकी मात्रा सम्मिलित लोगों की स्वतंत्रता और जीवन के सा जो करते है, पर आवश्यक रूप से निर्भर करती है। विकास और लोकतंत्र के मध्य अंगभूत संबंध के भाग के रूप में देखा जा सकता है। हमे जटिल अभिज्ञान को नहीं भूलना चाहिए जो राजनैतिक स्वतंत्रताओं और लोकतांत्रिक अधिकारों के "विकास के अंगभूत घटक" है।

इस गद्यांश का सामान्य उद्देश्य क्या है?

1. राजनैतिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकार
2. विकास और लोकतंत्र
3. विकास, लोकतंत्र और लोगों की स्वतंत्रता
4. लोकतंत्र और सामाजिक कल्याण

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

142 900392

"Most champions of democracy have been rather reticent in suggesting that democracy would itself promote development and enhancement of social welfare-they have tended to see them as good but distinctly separate and largely independent goals. The detractor of democracy, on the other hand, seemed to have been willing to express their diagnosis of what they see as serious tensions between democracy and development..... To deal with these issues, we have to pay particular attention to both the contents of what can be called development and to the interpretation of democracy. The assessment of development cannot be divorced from the lives that people can lead and the real freedom that they enjoy. Development can scarcely be seen merely in terms of enhancement of inanimate objects of convenience. Their value must depend on what they do to the lives and freedom of the people involved .... The relation between development and democracy has to be seen partly in term of their constitutive connection. We must not miss the crucial recognition that political liberties and democratic rights are among the 'constitutive components of development'

What is the relation between development and democracy?

1. In terms of their constitutive components.
2. In terms of their constitutive connection.
3. Partly in terms of their constitutive connection.
4. Partly in terms of political freedom.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

लोकतंत्र के अधिकांश समर्थक सुझाव देने में चुप्पी साध लेते है कि लोकतंत्र अपने आप ही विकास और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देगा। वे उसे अ के रूप में देखने की ओर प्रवृत्त लेकिन स्पष्ट रूप से अलग और व्यापकता में स्वतंत्र लक्ष्य वाले होते हैं। लोकतंत्र के निंदकों में अपनी दूसरी तरफ लोक और विकास के मध्य गंभीर तनाव के रूप में जो देखते है उसे व्यक्त करने की इच्छा प्रतीत होती है... इन मुद्दों से निपटने के लिए जिसे हम विकास कह सकते हैं और लोकतंत्र की व्याख्या दोनों पर विशेष ध्या देना होगा। लोग जिससे आगे बढ़ सके और जो वास्तविक स्वतंत्रता उन्हे मिल रही है उसेविकास के निर्धारण के लिए छोड़ा नही जा सकता है।

सुविधा की जड़ वस्तुओं की वृद्धि के रूप में सिर्फ न के बराबर विकास देखा जा सकता है। उनकी मात्रा सम्मिलित लोगों की स्वतंत्रता और जीवन के सा जो करते है, पर आवश्यक रूप से निर्भर करती है। विकास और लोकतंत्र के मध्य अंगभूत संबंध के भाग के रूप में देखा जा सकता है। हमे जटिल अभिज्ञान को नहीं भूलना चाहिए जो राजनैतिक स्वतंत्रताओं और लोकतांत्रिक अधिकारों के "विकास के अंगभूत घटक" है।

विकास और लोकतंत्र के मध्य क्या संबंध है?

1. उनके अंगभूत घटकों के रूप में
2. उनके अंगभूत संबंध के रूप में
3. उनके अंगभूत संबंध के भाग के रूप में
4. राजनैतिक स्वतंत्रता के भाग के रूप में

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

143 900393

"Most champions of democracy have been rather reticent in suggesting that democracy would itself promote development and enhancement of social welfare-they have tended to see them as good but distinctly separate and largely independent goals. The detractor of democracy, on the other hand, seemed to have been willing to express their diagnosis of what they see as serious tensions between democracy and development..... To deal with these issues, we have to pay particular attention to both the contents of what can be called development and to the interpretation of democracy. The assessment of development cannot be divorced from the lives that people can lead and the real freedom that they enjoy. Development can scarcely be seen merely in terms of enhancement of inanimate objects of convenience. Their value must depend on what they do to the lives and freedom of the people involved .... The relation between development and democracy has to be seen partly in term of their constitutive connection. We must not miss the crucial recognition that political liberties and democratic rights are among the 'constitutive components of development'

The detractors of democracy think one of the following:

1. There is a serious tension between democracy and development.
2. Democracy promotes development.
3. Democracy enhances social welfare.
4. Development can be understood in terms of political liberty.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

लोकतंत्र के अधिकांश समर्थक सुझाव देने में चुप्पी साध लेते है कि लोकतंत्र अपने आप ही विकास और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देगा। वे उसे अ के रूप में देखने की ओर प्रवृत्त लेकिन स्पष्ट रूप से अलग और व्यापकता में स्वतंत्र लक्ष्य वाले होते हैं। लोकतंत्र के निंदकों में अपनी दूसरी तरफ लोक और विकास के मध्य गंभीर तनाव के रूप में जो देखते है उसे व्यक्त करने की इच्छा प्रतीत होती है... इन मुद्दों से निपटने के लिए जिसे हम विकास कह सकते हैं और लोकतंत्र की व्याख्या दोनों पर विशेष ध्या देना होगा। लोग जिससे आगे बढ़ सके और जो वास्तविक स्वतंत्रता उन्हे मिल रही है उसेविकास के निर्धारण के लिए छोड़ा नही जा सकता है।

सुविधा की जड़ वस्तुओं की वृद्धि के रूप में सिर्फ न के बराबर विकास देखा जा सकता है। उनकी मात्रा सम्मिलित लोगों की स्वतंत्रता और जीवन के सा जो करते है, पर आवश्यक रूप से निर्भर करती है। विकास और लोकतंत्र के मध्य अंगभूत संबंध के भाग के रूप में देखा जा सकता है। हमे जटिल अभिज्ञान को नहीं भूलना चाहिए जो राजनैतिक स्वतंत्रताओं और लोकतांत्रिक अधिकारों के "विकास के अंगभूत घटक" है।

लोकतंत्र के निंदक निम्नलिखित में से सोचते है:

1. लोकतंत्र और विकास के बीच गंभीर तनाव है
2. लोकतंत्र विकास को प्रोत्साहन देता है
3. लोकतंत्र सामाजिक कल्याण को बढ़ाता है
4. विकास को राजनैतिक स्वतंत्रता के रूप में समझा जा सकता है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

144 900394

"Most champions of democracy have been rather reticent in suggesting that democracy would itself promote development and enhancement of social welfare-they have tended to see them as good but distinctly separate and largely independent goals. The detractor of democracy, on the other hand, seemed to have been willing to express their diagnosis of what they see as serious tensions between democracy and development..... To deal with these issues, we have to pay particular attention to both the contents of what can be called development and to the interpretation of democracy. The assessment of development cannot be divorced from the lives that people can lead and the real freedom that they enjoy. Development can scarcely be seen merely in terms of enhancement of inanimate objects of convenience. Their value must depend on what they do to the lives and freedom of the people involved .... The relation between development and democracy has to be seen partly in term of their constitutive connection. We must not miss the crucial recognition that political liberties and democratic rights are among the 'constitutive components of development'

What are the 'constitutive components' of development?

1. Enhancement of inanimate objects of convenience.
2. Political liberties and democratic rights.
3. Political freedom and democracy.
4. Individual freedom and democracy.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

लोकतंत्र के अधिकांश समर्थक सुझाव देने में चुप्पी साध लेते है कि लोकतंत्र अपने आप ही विकास और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देगा। वे उसे अ के रूप में देखने की ओर प्रवृत्त लेकिन स्पष्ट रूप से अलग और व्यापकता में स्वतंत्र लक्ष्य वाले होते हैं। लोकतंत्र के निंदकों में अपनी दूसरी तरफ लोक और विकास के मध्य गंभीर तनाव के रूप में जो देखते है उसे व्यक्त करने की इच्छा प्रतीत होती है... इन मुद्दों से निपटने के लिए जिसे हम विकास कह सकते हैं और लोकतंत्र की व्याख्या दोनों पर विशेष ध्या देना होगा। लोग जिससे आगे बढ़ सके और जो वास्तविक स्वतंत्रता उन्हे मिल रही है उसेविकास के निर्धारण के लिए छोड़ा नही जा सकता है।

सुविधा की जड़ वस्तुओं की वृद्धि के रूप में सिर्फ न के बराबर विकास देखा जा सकता है। उनकी मात्रा सम्मिलित लोगों की स्वतंत्रता और जीवन के सा जो करते है, पर आवश्यक रूप से निर्भर करती है। विकास और लोकतंत्र के मध्य अंगभूत संबंध के भाग के रूप में देखा जा सकता है। हमे जटिल अभिज्ञान को नहीं भूलना चाहिए जो राजनैतिक स्वतंत्रताओं और लोकतांत्रिक अधिकारों के "विकास के अंगभूत घटक" है।

विकास के 'अंगभूत घटक' क्या है?

1. सुविधा की जड़ वस्तुओं को बढ़ाना
2. राजनैतिक स्वतंत्रताएँ एवं लोकतांत्रिक अधिकार
3. राजनैतिक आजादी और लोकतंत्र
4. वैयक्तिक आजादी और लोकतंत्र

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

145 900395

"Most champions of democracy have been rather reticent in suggesting that democracy would itself promote development and enhancement of social welfare-they have tended to see them as good but distinctly separate and largely independent goals. The detractor of democracy, on the other hand, seemed to have been willing to express their diagnosis of what they see as serious tensions between democracy and development..... To deal with these issues, we have to pay particular attention to both the contents of what can be called development and to the interpretation of democracy. The assessment of development cannot be divorced from the lives that people can lead and the real freedom that they enjoy. Development can scarcely be seen merely in terms of enhancement of inanimate objects of convenience. Their value must depend on what they do to the lives and freedom of the people involved .... The relation between development and democracy has to be seen partly in term of their constitutive connection. We must not miss the crucial recognition that political liberties and democratic rights are among the 'constitutive components of development'

How does one assess development?

1. By assessing the freedom of the people.
2. By looking at the enhancement of inanimate objects of convenience.
3. By assessing the lives that people can read and the real freedom they enjoy.
4. By assessing the social welfare programmes of the government.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

लोकतंत्र के अधिकांश समर्थक सुझाव देने में चुप्पी साध लेते है कि लोकतंत्र अपने आप ही विकास और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देगा। वे उसे अ के रूप में देखने की ओर प्रवृत्त लेकिन स्पष्ट रूप से अलग और व्यापकता में स्वतंत्र लक्ष्य वाले होते हैं। लोकतंत्र के निंदकों में अपनी दूसरी तरफ लोक और विकास के मध्य गंभीर तनाव के रूप में जो देखते है उसे व्यक्त करने की इच्छा प्रतीत होती है... इन मुद्दों से निपटने के लिए जिसे हम विकास कह सकते हैं और लोकतंत्र की व्याख्या दोनों पर विशेष ध्या देना होगा। लोग जिससे आगे बढ़ सके और जो वास्तविक स्वतंत्रता उन्हे मिल रही है उसेविकास के निर्धारण के लिए छोड़ा नही जा सकता है।

सुविधा की जड़ वस्तुओं की वृद्धि के रूप में सिर्फ न के बराबर विकास देखा जा सकता है। उनकी मात्रा सम्मिलित लोगों की स्वतंत्रता और जीवन के सा जो करते है, पर आवश्यक रूप से निर्भर करती है। विकास और लोकतंत्र के मध्य अंगभूत संबंध के भाग के रूप में देखा जा सकता है। हमे जटिल अभिज्ञान को नहीं भूलना चाहिए जो राजनैतिक स्वतंत्रताओं और लोकतांत्रिक अधिकारों के "विकास के अंगभूत घटक" है।

विकास का निर्धारण कैसे किया जा सकता है?

1. लोगों की स्वतंत्रता के निर्धारण द्वारा
2. सुवनिधा की जड़ वस्तुओं को बढ़ाते जाने द्वारा
3. लोग जैसे बढ़ सकें और जो वास्तविक स्वतंत्रता उन्हें मिल रही है उसके निर्धारण द्वारा
4. सरकार के सामाजिक कल्याण कार्यक्रम के निर्धारण द्वारा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

146 900396

The Polemical exchanges between the deep and social ecologists have been very much a part of radical ecology scene in the U.S. over th past decade-in contrast to the ecology scene in Britain where the likes of Jonathan Porrit, a Genteel reformer seem to get the media prominence. But this debate took an important twist in May 1989 when Dave Foreman was arrested by F.B.I. An ecological activist who advocates non-violent direct action to protect wilderness areas rain forests, foreman had been one of the founders of the "Earth First" group.... what came out of the debate between Murray Bookchin and Dave Foreman, whereas Foreman had largely taken to heart the criticism of deep ecology and had become a staunch anti-capitalist and had withdrawn many of his more extreme anti-humanist statements- Bookechin continued to reiterate with stridency the kind of social ecology that he had been advocating and developing over the years- and thus need for a social movement that can effectively resist and ultimately replace both the nation-state and corpoerate capitalism...

In outlining his philosophical world view and in his advocacy of an "ecological consciousness", Naess has many interesting and importa things to say- on the need for a 'Gestalt' or relational way of thinking, on the need to reflect on, and explicitly articulate the basic norms an alternative ontology, and to avoid... purely instrumental norms and on the problems of making ecology itself into an encompassing "ism", as if it were a universal science... certainly, humans do not live by bread alone, but only someone who does not have to, worry about food and shelter and has some degree of autonomy, could define well being in terms of such high level ultimate goals as pleasure, happiness and perfection.

What does the author wants to convey in this paragraph?

1. Importance of social ecology
2. Importance of radical ecology
3. Non-violent direct action to protect wilderness
4. Prominence of shallow ecology

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

पिछले दशक से यु.एस. मे गहरे और सामाजिक पारिस्थिकीविदों के मध्य विवादात्मक विनिमय आमूल परिवर्तनवादी पारिस्थिकी का व्यापक भाग के रू में देखाय गया है। इसके विपरीत ब्रिटेन में जो पारिस्थिकी देखी जाती है जहाँ जोनाथन पोरिट एक सुधारक जोकि मीडिया प्रबलता की ओर ज्यादाजाते ह प्रतीत होते हैं। लेकिन इसविवाद में मई 1989 में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गयाजब एफ.बी.आई. द्वारा एक पारिस्थिकी विद कार्यकर्ता डेविड फोरमैन को गिरफ्तार कर लिया गया जिन्होने खाली पड़े वन क्षेत्र की वन्यता को बचाने हेतु अहिंसक प्रत्यक्ष कार्यवाही का समर्थन किया। फोरमैन अर्थ फर्स्ट ग्रुप संस्थापकों में से एक रहे थे, जो कि मर्रे बुकचिन और डेव फोरमैन के बीच विवाद के रूपमें बाहर आया जिसमें फोरमैन ने गहरी पारिस्थिकी की मुख्य आलोचना के बडे भाग पर काम किया और कट्टर पूँजीवादी विरोधी हो गए और बहुत ही मानववादी तथ्यों को लेकर आए। बुकचिन ने सामाजिक पारिस्थिकी के इस प्रकार को तीव्र ढंग से बार-बार इसे बताना जारी रखा जिसमे किवे सालों से इसका समर्थन और विकास कर रहे थे और इसका प्रकारनयी राजनीति पर बहस प्रारंभ किए। सामाजिक आंदोलन के लिए आवश्यक जो कि प्रभावशाली तरीके से रोक सकती थी और अन्ततः राष्ट्र राज्य और व्यावसायिक पूँजीवाद को बदल सकती थी। अपने दार्शनिक वैश्विक मंत्र को रेखांकित करने में और पारिस्थिकी चेतना के समर्थन में नेस ने बहुत ह मज़ेदार और महत्वपूर्ण बात को कहना चाहा। गेंस्टॉल्ट और संबंधात्मक तरीके की आवश्यकता पर और वैकल्पिक अंटुलॉजी के मुख्य मानकों की सुस्पष्ठता से व्याख्या और उससे बचना। शुद्ध रूप से सहायक मानकों और सभी सम्मिलित वाद मे पारिस्थिकी स्वयं की समस्या पर जैसा कि यह सार्वभौमिक विज्ञान के रूप में रहा था। निश्चित रूप से मानव रोटीमात्र पर आश्रित नही था न तो केवल उस को खाद्य और शरणस्थल के बारे में चिन्तानहीकरना था, और कुछ हद तक स्वायत्तता, उच्च स्तर के अन्तिम उद्देश्य जैसे आनन्द, खुशी और पूर्णता के शब्द में कल्याण के रूप में परिभाषि कर सकते हैं।

इस अवतरण में लेखक क्या बताना चाहता है?

1. सामाजिक पारिस्थिकी का महत्व।
2. आमूल परिवर्तनवादी पारिस्थिकी का महत्व।
3. वन्यता के बचाव हेतु अहिंसक निर्देश।
4. सतही पारिस्थिकी की प्रबलता।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

147 900397

The Polemical exchanges between the deep and social ecologists have been very much a part of radical ecology scene in the U.S. over th past decade-in contrast to the ecology scene in Britain where the likes of Jonathan Porrit, a Genteel reformer seem to get the media prominence. But this debate took an important twist in May 1989 when Dave Foreman was arrested by F.B.I. An ecological activist who advocates non-violent direct action to protect wilderness areas rain forests, foreman had been one of the founders of the "Earth First" group.... what came out of the debate between Murray Bookchin and Dave Foreman, whereas Foreman had largely taken to heart the criticism of deep ecology and had become a staunch anti-capitalist and had withdrawn many of his more extreme anti-humanist statements- Bookechin continued to reiterate with stridency the kind of social ecology that he had been advocating and developing over the years- and thus need for a social movement that can effectively resist and ultimately replace both the nation-state and corpoerate capitalism...

In outlining his philosophical world view and in his advocacy of an "ecological consciousness", Naess has many interesting and importa things to say- on the need for a 'Gestalt' or relational way of thinking, on the need to reflect on, and explicitly articulate the basic norms an alternative ontology, and to avoid... purely instrumental norms and on the problems of making ecology itself into an encompassing "ism", as if it were a universal science... certainly, humans do not live by bread alone, but only someone who does not have to, worry about food and shelter and has some degree of autonomy, could define well being in terms of such high level ultimate goals as pleasure, happiness and perfection.

How does Naess define well being?

1. Sufficient food and shelter
2. Pleasure happiness and perfection
3. Certain degree of autonomy
4. Good degree of circumstances

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

पिछले दशक से यु.एस. मे गहरे और सामाजिक पारिस्थिकीविदों के मध्य विवादात्मक विनिमय आमूल परिवर्तनवादी पारिस्थिकी का व्यापक भाग के रू में देखाय गया है। इसके विपरीत ब्रिटेन में जो पारिस्थिकी देखी जाती है जहाँ जोनाथन पोरिट एक सुधारक जोकि मीडिया प्रबलता की ओर ज्यादाजाते ह प्रतीत होते हैं। लेकिन इसविवाद में मई 1989 में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गयाजब एफ.बी.आई. द्वारा एक पारिस्थिकी विद कार्यकर्ता डेविड फोरमैन को गिरफ्तार कर लिया गया जिन्होने खाली पड़े वन क्षेत्र की वन्यता को बचाने हेतु अहिंसक प्रत्यक्ष कार्यवाही का समर्थन किया। फोरमैन अर्थ फर्स्ट ग्रुप संस्थापकों में से एक रहे थे, जो कि मर्रे बुकचिन और डेव फोरमैन के बीच विवाद के रूपमें बाहर आया जिसमें फोरमैन ने गहरी पारिस्थिकी की मुख्य आलोचना के बडे भाग पर काम किया और कट्ट पूँजीवादी विरोधी हो गए और बहुत ही मानववादी तथ्यों को लेकर आए। बुकचिन ने सामाजिक पारिस्थिकी के इस प्रकार को तीव्र ढंग से बार-बार इसे बताना जारी रखा जिसमे किवे सालों से इसका समर्थन और विकास कर रहे थे और इसका प्रकारनयी राजनीति पर बहस प्रारंभ किए। सामाजिक आंदोलन के लिए आवश्यक जो कि प्रभावशाली तरीके से रोक सकती थी और अन्ततः राष्ट्र राज्य और व्यावसायिक पूँजीवाद को बदल सकती थी। अपने दार्शनिक वैश्विक मंत्र को रेखांकित करने में और पारिस्थिकी चेतना के समर्थन में नेस ने बहुत ह मज़ेदार और महत्वपूर्ण बात को कहना चाहा। गेंस्टॉल्ट और संबंधात्मक तरीके की आवश्यकता पर और वैकल्पिक अंटुलॉजी के मुख्य मानकों की सुस्पष्ठता से व्याख्या और उससे बचना। शुद्ध रूप से सहायक मानकों और सभी सम्मिलित वाद मे पारिस्थिकी स्वयं की समस्या पर जैसा कि यह सार्वभौमिक विज्ञान के रूप में रहा था। निश्चित रूप से मानव रोटीमात्र पर आश्रित नही था न तो केवल उस को खाद्य और शरणस्थल के बारे में चिन्तानहीकरना था, और कुछ हद तक स्वायत्तता, उच्च स्तर के अन्तिम उद्देश्य जैसे आनन्द, खुशी और पूर्णता के शब्द में कल्याण के रूप में परिभाषि कर सकते हैं।

नेस कल्याण को किस प्रकार परिभाषिक करता है?

1. पर्याप्त खाद्य और शरणाश्रय।
2. आनंद, खुशी और पूर्णता।
3. स्वायत्तता की निश्चित मात्रा।
4. पारिस्थितियों की उचित (गुड़) मात्रा।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

148 900398

The Polemical exchanges between the deep and social ecologists have been very much a part of radical ecology scene in the U.S. over th past decade-in contrast to the ecology scene in Britain where the likes of Jonathan Porrit, a Genteel reformer seem to get the media prominence. But this debate took an important twist in May 1989 when Dave Foreman was arrested by F.B.I. An ecological activist who advocates non-violent direct action to protect wilderness areas rain forests, foreman had been one of the founders of the "Earth First" group.... what came out of the debate between Murray Bookchin and Dave Foreman, whereas Foreman had largely taken to heart the criticism of deep ecology and had become a staunch anti-capitalist and had withdrawn many of his more extreme anti-humanist statements- Bookechin continued to reiterate with stridency the kind of social ecology that he had been advocating and developing over the years- and thus need for a social movement that can effectively resist and ultimately replace both the nation-state and corpoerate capitalism...

In outlining his philosophical world view and in his advocacy of an "ecological consciousness", Naess has many interesting and importa things to say- on the need for a 'Gestalt' or relational way of thinking, on the need to reflect on, and explicitly articulate the basic norms an alternative ontology, and to avoid... purely instrumental norms and on the problems of making ecology itself into an encompassing "ism", as if it were a universal science... certainly, humans do not live by bread alone, but only someone who does not have to, worry about food and shelter and has some degree of autonomy, could define well being in terms of such high level ultimate goals as pleasure, happiness and perfection.

Naess in his philosophical world view, argued for one the following:

1. Ecological consciousness
2. An alternative antology
3. An alternative outlook
4. Universal science

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

पिछले दशक से यु.एस. मे गहरे और सामाजिक पारिस्थिकीविदों के मध्य विवादात्मक विनिमय आमूल परिवर्तनवादी पारिस्थिकी का व्यापक भाग के रू में देखाय गया है। इसके विपरीत ब्रिटेन में जो पारिस्थिकी देखी जाती है जहाँ जोनाथन पोरिट एक सुधारक जोकि मीडिया प्रबलता की ओर ज्यादाजाते ह प्रतीत होते हैं। लेकिन इसविवाद में मई 1989 में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गयाजब एफ.बी.आई. द्वारा एक पारिस्थिकी विद कार्यकर्ता डेविड फोरमै को गिरफ्तार कर लिया गया जिन्होने खाली पड़े वन क्षेत्र की वन्यता को बचाने हेतु अहिंसक प्रत्यक्ष कार्यवाही का समर्थन किया। फोरमैन अर्थ फर्स्ट ग्रुप संस्थापकों में से एक रहे थे, जो कि मर्रे बुकचिन और डेव फोरमैन के बीच विवाद के रूपमें बाहर आया जिसमें फोरमैन ने गहरी पारिस्थिकी की मुख्य आलोचना के बडे भाग पर काम किया और कट्ट पूँजीवादी विरोधी हो गए और बहुत ही मानववादी तथ्यों को लेकर आए। बुकचिन ने सामाजिक पारिस्थिकी के इस प्रकार को तीव्र ढंग से बार-बार इसे बताना जारी रखा जिसमे किवे सालों से इसका समर्थन और विकास कर रहे थे और इसका प्रकारनयी राजनीति पर बहस प्रारंभ किए। सामाजिक आंदोलन के लिए आवश्यक जो कि प्रभावशाली तरीके से रोक सकती थी और अन्ततः राष्ट्र राज्य और व्यावसायिक पूँजीवाद को बदल सकती थी। अपने दार्शनिक वैश्विक मंत्र को रेखांकित करने में और पारिस्थिकी चेतना के समर्थन में नेस ने बहुत ह मज़ेदार और महत्वपूर्ण बात को कहना चाहा। गेंस्टॉल्ट और संबंधात्मक तरीके की आवश्यकता पर और वैकल्पिक अंटुलॉजी के मुख्य मानकों की सुस्पष्ठता से व्याख्या और उससे बचना। शुद्ध रूप से सहायक मानकों और सभी सम्मिलित वाद मे पारिस्थिकी स्वयं की समस्या पर जैसा कि यह सार्वभौमिक विज्ञान के रूप में रहा था। निश्चित रूप से मानव रोटीमात्र पर आश्रित नही था न तो केवल उस को खाद्य और शरणस्थल के बारे में चिन्तानहीकरना था, और कुछ हद तक स्वायत्तता, उच्च स्तर के अन्तिम उद्देश्य जैसे आनन्द, खुशी और पूर्णता के शब्द में कल्याण के रूप में परिभाषि कर सकते हैं।

नेस ने अपने दर्शनशास्त्रीय वैश्विकमत के निम्नलिखित में किस एक पर तर्क किए:

1. पारिस्थिकीय चेतना
2. एक वैकल्पिक अंटुलॉजी
3. एक वैकल्पिक दृष्टिकोण
4. सार्वभौमिक विज्ञान

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

149 900399

The Polemical exchanges between the deep and social ecologists have been very much a part of radical ecology scene in the U.S. over th past decade-in contrast to the ecology scene in Britain where the likes of Jonathan Porrit, a Genteel reformer seem to get the media prominence. But this debate took an important twist in May 1989 when Dave Foreman was arrested by F.B.I. An ecological activist who advocates non-violent direct action to protect wilderness areas rain forests, foreman had been one of the founders of the "Earth First" group.... what came out of the debate between Murray Bookchin and Dave Foreman, whereas Foreman had largely taken to heart the criticism of deep ecology and had become a staunch anti-capitalist and had withdrawn many of his more extreme anti-humanist statements- Bookechin continued to reiterate with stridency the kind of social ecology that he had been advocating and developing over the years- and thus need for a social movement that can effectively resist and ultimately replace both the nation-state and corpoerate capitalism...

In outlining his philosophical world view and in his advocacy of an "ecological consciousness", Naess has many interesting and importa things to say- on the need for a 'Gestalt' or relational way of thinking, on the need to reflect on, and explicitly articulate the basic norms an alternative ontology, and to avoid... purely instrumental norms and on the problems of making ecology itself into an encompassing "ism", as if it were a universal science... certainly, humans do not live by bread alone, but only someone who does not have to, worry about food and shelter and has some degree of autonomy, could define well being in terms of such high level ultimate goals as pleasure, happiness and perfection.

What is the outcome of the debate between Bookchain and Foreman?

1. A stand in support of nation-state
2. A new politics of ecological movement
3. Case for replacing corporate capitalism and nation-state
4. Criticism against deep ecology

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

पिछले दशक से यु.एस. मे गहरे और सामाजिक पारिस्थिकीविदों के मध्य विवादात्मक विनिमय आमूल परिवर्तनवादी पारिस्थिकी का व्यापक भाग के रू में देखाय गया है। इसके विपरीत ब्रिटेन में जो पारिस्थिकी देखी जाती है जहाँ जोनाथन पोरिट एक सुधारक जोकि मीडिया प्रबलता की ओर ज्यादाजाते ह प्रतीत होते हैं। लेकिन इसविवाद में मई 1989 में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गयाजब एफ.बी.आई. द्वारा एक पारिस्थिकी विद कार्यकर्ता डेविड फोरमैन को गिरफ्तार कर लिया गया जिन्होने खाली पड़े वन क्षेत्र की वन्यता को बचाने हेतु अहिंसक प्रत्यक्ष कार्यवाही का समर्थन किया। फोरमैन अर्थ फर्स्ट ग्रुप संस्थापकों में से एक रहे थे, जो कि मर्रे बुकचिन और डेव फोरमैन के बीच विवाद के रूपमें बाहर आया जिसमें फोरमैन ने गहरी पारिस्थिकी की मुख्य आलोचना के बडे भाग पर काम किया और कट्ट पूँजीवादी विरोधी हो गए और बहुत ही मानववादी तथ्यों को लेकर आए। बुकचिन ने सामाजिक पारिस्थिकी के इस प्रकार को तीव्र ढंग से बार-बार इसे बताना जारी रखा जिसमे किवे सालों से इसका समर्थन और विकास कर रहे थे और इसका प्रकारनयी राजनीति पर बहस प्रारंभ किए। सामाजिक आंदोलन के लिए आवश्यक जो कि प्रभावशाली तरीके से रोक सकती थी और अन्ततः राष्ट्र राज्य और व्यावसायिक पूँजीवाद को बदल सकती थी। अपने दार्शनिक वैश्विक मंत्र को रेखांकित करने में और पारिस्थिकी चेतना के समर्थन में नेस ने बहुत ह मज़ेदार और महत्वपूर्ण बात को कहना चाहा। गेंस्टॉल्ट और संबंधात्मक तरीके की आवश्यकता पर और वैकल्पिक अंटुलॉजी के मुख्य मानकों की सुस्पष्ठता से व्याख्या और उससे बचना। शुद्ध रूप से सहायक मानकों और सभी सम्मिलित वाद मे पारिस्थिकी स्वयं की समस्या पर जैसा कि यह सार्वभौमिक विज्ञान के रूप में रहा था। निश्चित रूप से मानव रोटीमात्र पर आश्रित नही था न तो केवल उस को खाद्य और शरणस्थल के बारे में चिन्तानहीकरना था, और कुछ हद तक स्वायत्तता, उच्च स्तर के अन्तिम उद्देश्य जैसे आनन्द, खुशी और पूर्णता के शब्द में कल्याण के रूप में परिभाषि कर सकते हैं।

बुकचेन और फोरमैन के मध्य वाद-विवाद का परिणाम क्या है?

1. राष्ट्र-राज्य के समर्थन में खड़े होना।
2. पारिस्थिकीय आन्दोलन की एक नयी राजनीतिक व्यवस्था।
3. व्यावसायिक पूँजीवाद और राष्ट्र-राज्य के बदले में कॉक।
4. गहरे पारिस्थिकी की आलोचना।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

150 900400

The Polemical exchanges between the deep and social ecologists have been very much a part of radical ecology scene in the U.S. over th past decade-in contrast to the ecology scene in Britain where the likes of Jonathan Porrit, a Genteel reformer seem to get the media prominence. But this debate took an important twist in May 1989 when Dave Foreman was arrested by F.B.I. An ecological activist who advocates non-violent direct action to protect wilderness areas rain forests, foreman had been one of the founders of the "Earth First" group.... what came out of the debate between Murray Bookchin and Dave Foreman, whereas Foreman had largely taken to heart the criticism of deep ecology and had become a staunch anti-capitalist and had withdrawn many of his more extreme anti-humanist statements- Bookechin continued to reiterate with stridency the kind of social ecology that he had been advocating and developing over the years- and thus need for a social movement that can effectively resist and ultimately replace both the nation-state and corpoerate capitalism...

In outlining his philosophical world view and in his advocacy of an "ecological consciousness", Naess has many interesting and importa things to say- on the need for a 'Gestalt' or relational way of thinking, on the need to reflect on, and explicitly articulate the basic norms an alternative ontology, and to avoid... purely instrumental norms and on the problems of making ecology itself into an encompassing "ism", as if it were a universal science... certainly, humans do not live by bread alone, but only someone who does not have to, worry about food and shelter and has some degree of autonomy, could define well being in terms of such high level ultimate goals as pleasure, happiness and perfection.

Naess's philosophical world view of ecological consciousness consists of:

1. Making ecology as the science of the universe
2. Making ecology as an encompassing 'ism'
3. Making ecology as a positive science
4. Making ecology devoid of human concern

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

पिछले दशक से यु.एस. मे गहरे और सामाजिक पारिस्थिकीविदों के मध्य विवादात्मक विनिमय आमूल परिवर्तनवादी पारिस्थिकी का व्यापक भाग के रू में देखाय गया है। इसके विपरीत ब्रिटेन में जो पारिस्थिकी देखी जाती है जहाँ जोनाथन पोरिट एक सुधारक जोकि मीडिया प्रबलता की ओर ज्यादाजाते ह प्रतीत होते हैं। लेकिन इसविवाद में मई 1989 में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गयाजब एफ.बी.आई. द्वारा एक पारिस्थिकी विद कार्यकर्ता डेविड फोरमैन को गिरफ्तार कर लिया गया जिन्होने खाली पड़े वन क्षेत्र की वन्यता को बचाने हेतु अहिंसक प्रत्यक्ष कार्यवाही का समर्थन किया। फोरमैन अर्थ फर्स्ट ग्रुप संस्थापकों में से एक रहे थे, जो कि मर्रे बुकचिन और डेव फोरमैन के बीच विवाद के रूपमें बाहर आया जिसमें फोरमैन ने गहरी पारिस्थिकी की मुख्य आलोचना के बडे भाग पर काम किया और कट्ट पूँजीवादी विरोधी हो गए और बहुत ही मानववादी तथ्यों को लेकर आए। बुकचिन ने सामाजिक पारिस्थिकी के इस प्रकार को तीव्र ढंग से बार-बार इसे बताना जारी रखा जिसमे किवे सालों से इसका समर्थन और विकास कर रहे थे और इसका प्रकारनयी राजनीति पर बहस प्रारंभ किए। सामाजिक आंदोलन के लिए आवश्यक जो कि प्रभावशाली तरीके से रोक सकती थी और अन्ततः राष्ट्र राज्य और व्यावसायिक पूँजीवाद को बदल सकती थी। अपने दार्शनिक वैश्विक मंत्र को रेखांकित करने में और पारिस्थिकी चेतना के समर्थन में नेस ने बहुत ही मज़ेदार और महत्वपूर्ण बात को कहना चाहा। गेंस्टॉल्ट और संबंधात्मक तरीके की आवश्यकता पर और वैकल्पिक अंटुलॉजी के मुख्य मानकों की सुस्पष्टता से व्याख्या और उससे बचना। शुद्ध रूप से सहायक मानकों और सभी सम्मिलित वाद मे पारिस्थिकी स्वयं की समस्या पर जैसा कि यह सार्वभौमिक विज्ञान के रूप में रहा था। निश्चित रूप से मानव रोटीमात्र पर आश्रित नही था न तो केवल उस को खाद्य और शरणस्थल के बारे में चिन्तानहीकरना था, और कुछ हद तक स्वायत्तता, उच्च स्तर के अन्तिम उद्देश्य जैसे आनन्द, खुशी और पूर्णता के शब्द में कल्याण के रूप में परिभाषि कर सकते हैं।

पारिस्थिकीय चेतना के नेस अपने दर्शनशास्त्रीय वैश्विक मत में इसे सम्मिलित करता है:

1. ब्रह्मांड के विज्ञान के रूप में पारिस्थिकी का निर्माण करना
2. 'वाद' को सम्मिलित करने के रूप में पारिस्थिकी निर्माण करना
3. सकारात्मक विज्ञान के रूप में पारिस्थिकी निर्माण करना।
4. मानव संबंधित पारिस्थिकी विहीन निर्माण।

		A1: 1 1 A2: 2 2 A3: 3 3 A4: 4 4